गजल

हम तो मशहूर हुए है आपकी चाहत में
कितने मजबूर हुए है आपकी चाहत में

1--आप ही आप हो जहां,
न हो कुछ और खबर
खुद से भी दूर हुए है,आपकी चाहत में

2--अपनी निसबत का सिला,
आज हमको है मिला
इश्क मे चूर हुए है ,आपकी चाहत में

3--आपका दीदार मिला,
ना रहा शिकवा गिला
हाजिर हजूर हुए ,आपकी चाहत में

Nijanand App